दीप ज्योति

क्रिया

शब्द

नाम

वर्ण

स्त्रीलिंग

संज्ञा

हिंदी व्याकरण

सर्वनाम

लिंग

भाग 5

वचन

अशोक लव

एम. ए., बी. एड.

(लेखक एवं शिक्षाविद्)

पूर्व हिंदी-संस्कृत विभागाध्यक्ष

द एयर फ़ोर्स स्कूल सुब्रोतो पार्क

नई दिल्ली–110010

विलोम

प्रकाशक:

एवरशाइन पब्लिशर्ज़
नांगल राया, नई दिल्ली-110046
फोन : 28111758, 28113958
Fax : 28112353
E-mail : evershinepub@gmail.com

© सर्वाधिकार सुरक्षित

प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना इस पुस्तक के किसी भी भाग को छापना तथा इलेक्ट्रॉनिकी, मशीनी, फोटोप्रतिलिपि, रिकार्डिंग अथवा किसी अन्य विधि से पुनः प्रयोग पद्धति द्वारा उसका संग्रहण अथवा प्रसारण वर्जित है।

डिज़ाईन और टाइपसैटिंग:
रेड रीफ डिज़ाइन स्टूडियो, दिल्ली

भूमिका

प्रत्येक भाषा के ज्ञान के लिए उसके व्याकरण का ज्ञान होना अत्यंत आवश्यक होता है। व्याकरण द्‌वारा ही भाषा के शुद्‌ध प्रयोग का ज्ञान आता है। भाषा के मौखिक और लिखित दोनों रूपों के व्यावहारिक शुद्‌ध प्रयोग व्याकरण द्‌वारा ही किया जा सकता है। हिंदी विश्व की दूसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है। यह भारत के एक कोने से दूसरे कोने तक बोली जाती है। इसलिए इसे भारत की संपर्क भाषा भी कहा जाता है। यह राष्ट्रभाषा और राजभाषा तो है ही। इस दृष्टि से प्रत्येक भारतवासी के लिए हिंदी का ज्ञान आवश्यक हो जाता है और व्यवहार में प्रयोग करने के लिए इसके व्याकरण का ज्ञान भी आवश्यक है।

व्याकरण की यह शृंखला प्राथमिक कक्षाओं के लिए तैयार की गई है। इसे विद्‌यालयों में प्रवेश लेने वाले नन्हें शिशुओं से लेकर पाँचवी कक्षा के विद्‌यार्थियों को दृष्टिगत रखते हुए तैयार किया गया है। इसकी भाषा सरल है। उदाहरणों और गतिविधियों के माध्यम से व्याकरण नियमों को रूचिकर बनाया गया है। अभ्यास के लिए पर्याप्त प्रश्न दिए गए हैं। सतत् मूल्यांकन के लिए मौखिक और लिखित दोनों प्रकार के प्रश्न दिए गए हैं। बहुविकल्पी प्रश्नों द्‌वारा विद्‌यार्थियों की चयन-क्षमता के मूल्यांकन के लिए प्रश्न दिए गए हैं।

पर्यायवाची, विलोम, समरूपी भिन्नार्थक, उपसर्ग, प्रत्यय, मुहावरे-लोकोक्तियाँ आदि पर्याप्त संख्या में दिए गए हैं।

व्याकरण के प्रत्येक नियम को उदाहरणों द्‌वारा 'करके सीखने' की पद्‌धति को दृष्टिगत रखकर समझाया गया है। इनसे विद्‌यार्थियों की सीखने की रूचि बढ़ती है।

अध्यापक-अध्यापिकाएँ विद्‌यार्थियों को प्रत्येक विषय का ज्ञान प्रदान करते हैं। यह व्याकरण- शृंखला हिंदी भाषा के ज्ञान प्रदान करने में उनकी सहायक होगी, ऐसा हमारा विश्वास है। तीस वर्षों तक हिंदी शिक्षण से संबद्‌ध रहने के कारण हमने इस शृंखला को व्यावहारिक रूप प्रदान करने का प्रयास किया है। एन॰ सी॰ ई॰ आर॰ टी॰ द्‌वारा निर्धारित पाठ्‌यक्रम के अनुसार 'दीप-ज्योति' व्याकरण शृंखला समस्त विद्‌यालयों के लिए अत्यंत उपयोगी है।

–अशोक लव

अनुक्रमाणिका

अध्याय		पृष्ठ संख्या
1.	भाषा और व्याकरण (LANGUAGE AND GRAMMER)	5
2.	वर्ण और शब्द (LETTER AND WORD)	9
3.	संज्ञा (NOUN)	15
4.	लिंग (GENDER)	20
5.	वचन (NUMBER)	25
6.	कारक (CASE)	29
7.	सर्वनाम (PRONOUN)	34
8.	विशेषण (ADJECTIVE)	39
9.	क्रिया (VERB)	44
	मूल्यांकन–1	51
10.	क्रियाविशेषण (ADVERB)	52
11.	संबंधबोधक (PREPOSITION)	56
12.	समुच्चयबोधक (CONJUNCTION)	59
13.	विस्मयादिबोधक (INTERJECTION)	61
14.	वाक्य (SENTENCE)	64
15.	विराम चिह्न (PUNCTUATION MARK)	66
16.	मुहावरे (IDIOMS)	68
17.	शब्द-भंडार (VOCABULARY)	71
18.	रचनात्मक गतिविधियाँ (CREATIVE ACTIVITIES)	77
19.	मनोरंजन	94
	मूल्यांकन–2	96

1. भाषा और व्याकरण

(LANGUAGE AND GRAMMER)

नीचे दिए गए चित्रों को देखो:-

पहले 'चित्र में अध्यापक बच्चों को भारत का मानचित्र दिखाते हुए बोलकर बताते हैं–'भारत एक सुंदर देश है।'

दूसरे चित्र में अध्यापक ब्लैकबोर्ड पर लिखकर बताते हैं–'भारत एक सुंदर देश है।'

भावों तथा विचारों को व्यक्त करने तथा जानने के माध्यम को भाषा कहते हैं।

भाषा के दो रूप होते हैं– मौखिक और लिखित।

मौखिक भाषा: जिस भाषा को बोलकर और सुनकर प्रयोग में लाया जाता है, वह मौखिक भाषा होती है। जैसे–

अध्यापक ने बोलकर बताया– 'भारत एक सुंदर देश है।'

मौखिक भाषा बच्चा अपने परिवार और आस-पास के वातावरण से सुनकर और बोलकर सीखता है।

लिखित भाषा: जिस भाषा को लिखकर और पढ़कर प्रयोग में लाया जाता है, वह लिखित भाषा होती है। जैसे–

अध्यापक ने लिखकर बताया– 'भारत एक सुंदर देश है।'

लिखित भाषा विद्यार्थी विद्यालय में सीखते हैं।

जो भाषा हम परिवार के सदस्यों से सीखते हैं वह हमारी मातृभाषा कहलाती है।

भारत में अनेक भाषाएँ बोली जाती हैं। हिंदी हमारी राष्ट्रभाषा है। यह भारत में सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है।

प्रतिवर्ष 14 सितंबर 'हिंदी-दिवस' के रूप में मनाया जाता है।

कुछ प्रमुख भारतीय भाषाएँ इस प्रकार हैं–

भाषा	कहाँ बोली जाती है
हिंदी	हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, झारखंड, बिहार।
पंजाबी	पंजाब
बांगला	पश्चिम बंगाल
उड़िया	ओडिशा
तमिल	तमिलनाडु
कश्मीरी	जम्मू-कश्मीर
असमी	असम
मराठी	महाराष्ट्र
कन्नड़	कर्नाटक
कोंकणी	गोआ

विश्व में सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा चीनी है।

कुछ देशों की भाषाएँ इस प्रकार हैं–

देश	जापान	रूस	चीन	इंगलैंड	फ्रांस	भारत
भाषा	जापानी	रूसी	चीनी	अंग्रेज़ी	फ्रांसीसी	हिंदी

व्याकरण

हम जिस भाषा को लिखते, पढ़ते, बोलते या सुनते हैं वह शुद्ध है या नहीं इसका पता व्याकरण के द्वारा चलता है। व्याकरण भाषा के शुद्ध रूप को हमारे सामने प्रस्तुत करता है।

व्याकरण एक शास्त्र है। इसमें भाषा के संबंध में अनेक नियम होते हैं। इन नियमों के पालन एवं प्रयोग से ही भाषा को शुद्ध रूप में लिखा और बोला जा सकता है। इसलिए किसी भी भाषा के शुद्ध ज्ञान के लिए उसके व्याकरण का ज्ञान आवश्यक होता है। प्रत्येक भाषा का अपना व्याकरण होता है।

व्याकरण से हमें भाषा के शुद्ध रूप का ज्ञान होता है।

लिपि

किसी भाषा को लिखने के लिए कुछ निश्चित संकेत या चिह्न बनाए गए हैं, जिन्हें लिपि कहते हैं। प्रत्येक भाषा की अपनी लिपि होती है। जैसे–

भाषा	लिपि	भाषा	लिपि
हिंदी	देवनागरी	अंग्रेज़ी	रोमन
संस्कृत	देवनागरी	जर्मन	रोमन
पंजाबी	गुरुमुखी	फ्रेंच	रोमन
उर्दू	फ़ारसी	मराठी	देवनागरी

ध्यान दो

- ★ भावों और विचारों के आदान-प्रदान का माध्यम **भाषा** कहलाती है।
- ★ भाषा के दो रूप हैं- **मौखिक** और **लिखित**।
- ★ लिखने के लिए निश्चित किए गए चिह्नों को **लिपि** कहते हैं।
- ★ **व्याकरण** भाषा के शुद्ध रूप में बोलना, पढ़ना और लिखना सिखाता है।

1. सही उत्तर पर ✓ लगाओ:

(क) भारत की राष्ट्रभाषा क्या है?

हिंदी ☐ पंजाबी ☐ उर्दू ☐

(ख) विश्व में सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा कौन-सी है?

हिंदी ☐ चीनी ☐ अंग्रेज़ी ☐

(ग) हिंदी किस लिपि में लिखी जाती है?

रोमन ☐ फ़ारसी ☐ देवनागरी ☐

2. नीचे दिए गए कार्य भाषा के मौखिक रूप हैं या लिखित?

(क) रेडियो पर समाचार सुनना। .....

(ख) माँ द्वारा घर के सामान की सूची बनाना। .....

(ग) अनीता द्वारा गीत गाना। .....

(घ) वार्षिकोत्सव पर प्रधानाचार्य द्वारा मुख्य-अतिथि का परिचय देना। .....

(ङ) निबंध प्रतियोगिता में भाग लेना। .....

3. इन प्रदेशों की मुख्य भाषाएँ क्या हैं?

(क) उत्तर प्रदेश ..... (ख) गोआ .....

(ग) ओडिशा ..... (घ) महाराष्ट्र .....

(ङ) तमिलनाडु ..... (च) कर्नाटक .....

(छ) आंध्र प्रदेश ..... (ज) असम .....

(झ) गुजरात ..... (ञ) पंजाब .....

4. दिए गए राज्यों में बोली जानी वाली भाषाओं के नाम लिखो:

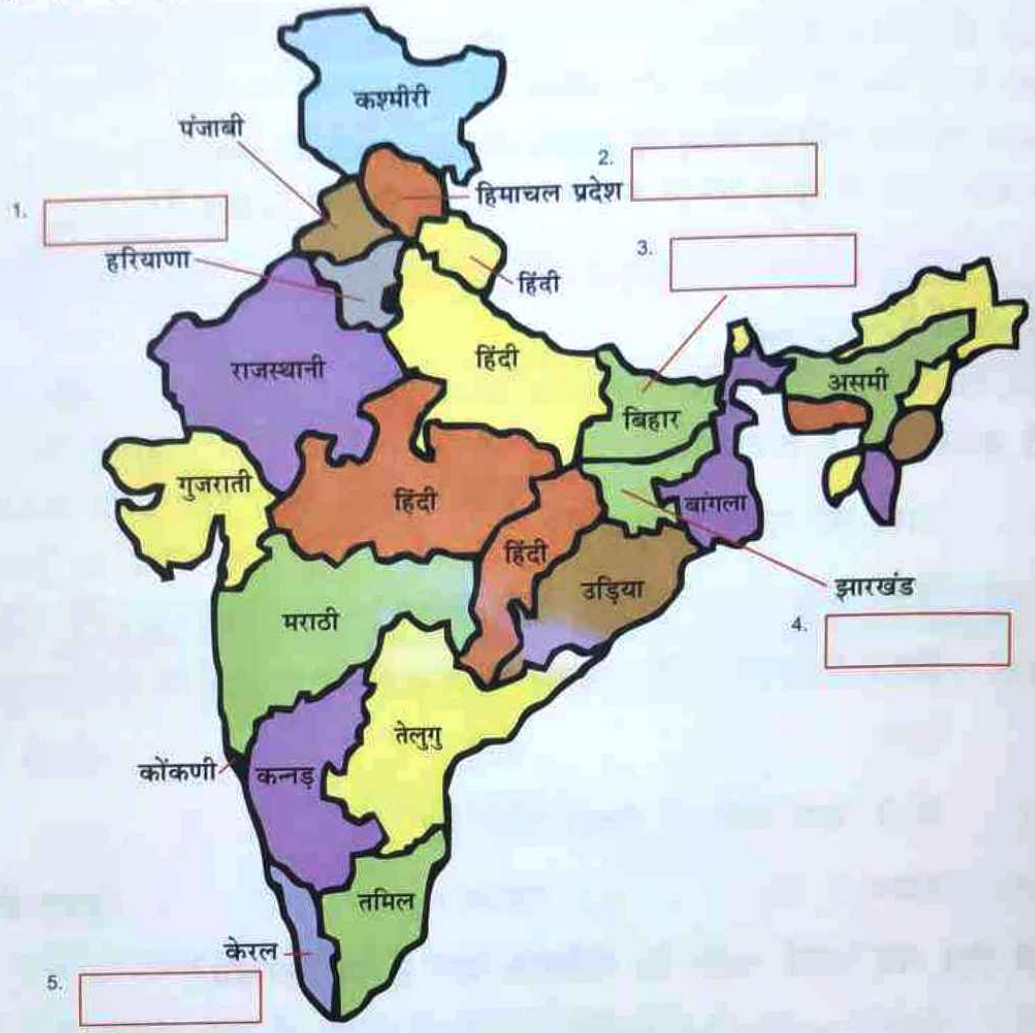

5. विश्व में बोली जाने वाली छह भाषाओं के नाम लिखो:

(क) ..... (ख) .....

(ग) ..... (घ) .....

(ङ) ..... (च) .....

करो और सीखो

1. चार विभिन्न भारतीय भाषाओं की पत्रिकाओं अथवा समाचारपत्रों से समाचार की एक-एक कतरन काटकर अपनी एलबम में चिपकाओ। प्रत्येक कतरन के नीचे उस भाषा का नाम लिखो।
2. अपना नाम किन्हीं चार लिपियों में लिखो।
3. एक चार्ट पर भारतीय भाषाओं और राज्यों के नाम लिखकर अपनी कक्षा में लगाओ।